10

कविता

पैदल चलता हुआ आदमी

स्वप्निल श्रीवास्तव

चमकदार सड़क पर चल रहे कारों
के हुजूम में कितना निरीह दिख रहा है
पैदल चलता हुआ आदमी।

कार में बैठे हुए बड़े लोग उसे
हिकारत से देखते हैं,
जैसे वह किसी दूसरी दुनिया से
आया हुआ आदमी हो।

वे नहीं जानते कि उसके दम पर
उनके चेहरे पर रौनक है।

वह अनाज उगाना बंद कर दें
तो वे भूखों मर जाएँगे,
उनके मकान न बनाए तो उन्हें
सिर छिपाने की जगह नहीं मिलेगी।

उन्हें पता नहीं कि पैदल चलता हुआ आदमी
कितना ताकतवर है,
वह जिस दिन होश में आ जाएगा
उनके साम्राज्य ढह जाएँगे।

पैदल चलने वाला 'निरीह' क्यों लग रहा है?

'हिकारत से देखना' किस मनोभाव की ओर संकेत करता है?

'वह जिस दिन होश में आ जाएगा/ उनके साम्राज्य ढह जाएँगे।' इसपर अपना विचार व्यक्त करें।

गतिविधियाँ

» **कविता के आधार पर लिखें :**

» 'पैदल चलता हुआ आदमी' कौन-कौन हो सकता है?

- अनाज पैदा करने वाला।
- मकान बनाने वाला।
- सफाई करने वाला।

» **समान आशय वाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें :**

- सचेत आम जन में समाज को बदलने की शक्ति है।
- कार में बैठने वाले पैदल चलने वालों को ऐसे देखते हैं कि वे इस समाज के सदस्य नहीं हैं।
- धनी लोग नहीं सोचते कि उनके चेहरों की शोभा मज़दूरों के परिश्रम की देन है।

» **कविता की कौन-सी पंक्ति आपको अच्छी लगी। क्यों?**

» **चर्चा करें :**

- समाज में व्यक्ति का मूल्य कैसे निर्धारित होना चाहिए?
- कविता में सामाजिक असमानताओं के प्रति कवि ने कौन-सा विचार प्रकट किया है?

» **लेख लिखें :**

विषय : 'समाज के निर्माण में आम जन की भूमिका'

अनुबद्ध कार्य

- मान लें, सड़क से चलती दूसरी गाड़ी में बैठे हुए दो व्यक्ति सड़क पर चलते हुए आदमी को आदर की दृष्टि से देखते हैं। उन दो व्यक्तियों के बीच की बातचीत लिखें।

स्वप्निल श्रीवास्तव

जन्म : 5 अक्तूबर 1954

स्वप्निल श्रीवास्तव का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ। कहानी और संस्मरण के क्षेत्रों में उनका योगदान है। ईश्वर एक लाठी है, ताख पर दियासलाई, मुझे दूसरी पृथ्वी चाहिए आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार, फ़िराक पुरस्कार, रूस के अंतर्राष्ट्रीय पुश्किन सम्मान आदि से वे पुरस्कृत हैं।

मदद लें :

चमकदार	-	തിളങ്ങുന്ന, shining, மின்னுகின்றன, ಹೊಳೆಯುವ,
हुजूम में	-	തിരക്കിനിടയിൽ, among the crowd, நெரிசலின் இடையே, ಸಮೂಹಗಳ ನಡುವೆ,
निरीह	-	बेचारा
हिकारत	-	घृणा
दम	-	शक्ति
रौनक	-	चमक
अनाज उगाना	-	अनाज पैदा करना
सिर छिपाना	-	आश्रय पाना
ताकतवर	-	शक्तिशाली
होश में आना	-	सचेत होना
ढह जाना	-	नाश होना